भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

(आयुवद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी)

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1603

09 माच, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

स्वदेशी पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को पुनरूज्जीवित करने के लिए कायर्योजना

1603. श्री सतीश चंद्र दुबेः

क्या आयुवद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) मंत्री यह बताने का कृपा करगे किः

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का उद्देश्य स्वदेशी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां और आयुष पद्धतियां को पुनरूज्जीवित करना है, ताकि जन स्वास्थ्य प्रणाली को सभी स्तरों पर मजबूत बनाया जा सके;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) स्वदेशी पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियां को पुनरूज्जीवित करने के लिए क्या काय योजना अपनाई गई है?

उत्तर

युवा मामलों और खेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

और आयुवद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी मंत्रालय के

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का अतिरिक्त प्रभार (श्री किरेन रीजीजू)

(क): स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं को जन-स्वास्थ्य प्रणाली म पुनर्जावित करना एनआरएचएम के कायान्वयन के कायतंत्र म परिकल्पित उद्देश्यों म से एक है। आयुष को मुख्यधारा म लाना राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का एक महत्वपूर्ण रणनीति है जिसके तहत ग्रामीण आबादी को सुलभ, सस्ती और बेहतर स्वास्थ्य देखभाल सेवा उपलब्ध कराई जाती है।

(ख) और (ग): राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम)/राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) के तहत, आयुवद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) चिकित्सकों/पैरामेडिक्स की नियुक्ति के लिए सहायता दी जा रही है बशर्ते कि वे मौजूदा जिला अस्पतालों (डीएच), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) के साथ सह-स्थापित हों और उनम भी दूरदराज के प्राथमिक जन-स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को प्राथमिकता दी जाती हो। आयुष सह-स्थापित स्वास्थ्य सुविधाओं म आयुष औषधियों के लिए भी मदद दी जा रही है। आयुष के लिए सूचना शिक्षा संचार (आईईसी)/ व्यवहार परिवतन संदेश (बीसीसी) कायकलापों को भी एनएचएम/एनआरएचएम के तहत सहायता दी जा रही है। सितम्बर, 2020 के अनुसार, एनएचएम के अंतगत 15,400 से अधिक क्रियाशील सह-स्थापित सुविधाओं म एनएचएम के अधीन 27000 से अधिक चिकित्सकों और 4600 परिचिकित्सक स्टाफ को सहायता दी गई है। इन सभी क्रियाकलापों के जरिए, देशी पारंपरिक चिकित्सा अभ्यासों को पुनर्जावित करने की परिकल्पना की गई है।

*****